संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-9 । अंक-12 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 19 अगस्त 2025 से 25 अगस्त 2025 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

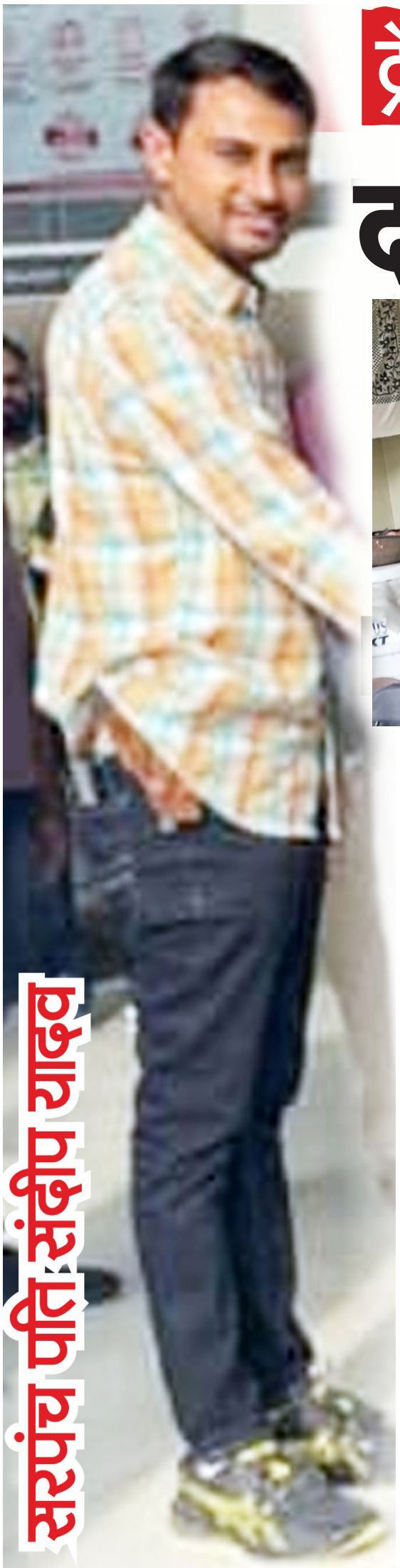

ट्रैक्टर खड़ा करने को लेकर विवाद

दलित परिवार पर हमला

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

खुड़ैल थाना क्षेत्र के कम्पेल चौकी अंतर्गत बिहाडिया गांव में मंगलवार दोपहर एक खेत में ट्रैक्टर खड़ा करने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोपियों ने एक दलित परिवार पर जातिसूचक गालियां देते हुए हमला किया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए।

FIR के अनुसार विवरण

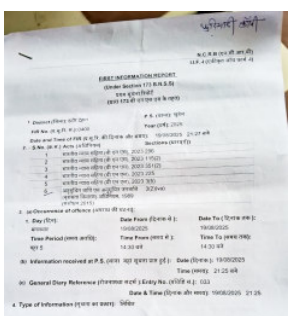

ग्राम जामनिया खुर्द के निवासी उदय मेहरा (20) ने पुलिस को बताया कि वह अपने भाई तुषार, चाचा संजय, और पिता सुनील के साथ बिहाडिया गांव स्थित अपने खेत पर सोयाबीन की फसल में दवा का छिड़काव कर रहे थे। उन्होंने ट्रैक्टर को सड़क के किनारे खड़ा कर रखा था। दोपहर करीब 2:30 बजे, आरोपी कन्हैयालाल यादव, उसका बेटा सुमित यादव, और रिश्तेदार मुकेश बम यादव वहां आए और जातिसूचक गालियां देते हुए उन पर हमला कर दिया।

हमले में तीन घायल

पुलिस को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपियों ने 'सालों चमारों' और 'तुम्हारी क्या औकात है' जैसी अपमानजनक बातें कहीं। जब परिवार ने गालियां देने से मना किया, तो सुमित यादव ने पत्थर से उदय के माथे पर मारा, जिससे उन्हें चोट आई। मुकेश बम ने लकड़ी से उदय के दाहिने हाथ की कोहनी पर और सुमित ने कमर पर भी वार किया।

बीच-बचाव करने आए उदय के भाई तुषार और चाचा संजय पर भी हमला किया गया। तुषार को एक धारदार हथियार से दाहिने पैर के घुटने और दाहिने हाथ की कोहनी में चोट लगी।

आरोपियों ने दी जान से मारने की धमकी

हमले के बाद जब परिवार कम्पेल पुलिस चौकी की ओर जा रहा था, तो रास्ते में संदीप यादव, जो आरोपी कन्हैयालाल का बेटा है, उन्हें मिला। संदीप ने भी उन्हें जातिसूचक गालियां दीं और धमकी दी कि अगर उन्होंने पुलिस में शिकायत की, तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। संदीप ने उदय के चाचा संजय के बाएं कंधे पर चाकू से वार किया, जिससे उन्हें भी चोट आई।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

इस घटना के बाद, खुड़ैल पुलिस ने उदय मेहरा की शिकायत पर SC/ST Act की धारा के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

संभाग पोस्ट के पिछले अंक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्केन करें अथवा संभाग पोस्ट की वेबसाइट www.sambhagpost.com पर विजीट करें।

सुविचार

एक समय में एक काम करो , और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ

संपादकीय

प्रतीकों की लड़ाई

उपराष्ट्रपति पद के लिए अब दोनों तरफ से उम्मीदवारों का ऐलान हो चुका है। **NDA** के सीपी राधाकृष्णन के मुकाबले **I.N.D.I.A.** ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को उतारा है। संख्या बल में ॐ यानी सत्ता पक्ष का पलड़ा भले भारी सही, लेकिन यह लड़ाई आंकड़ों से ज्यादा प्रतीकात्मक है। विपक्ष ने एक मजबूत कैंडिडेट उतारकर संदेश देने का प्रयास किया है कि वह किसी मोर्चे पर सरकार को फ्री हैंड नहीं देने जा रही। दोनों नाम दक्षिण सेः राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, जबकि सुदर्शन रेड्डी तेलंगाना से। दोनों चेहरों का दक्षिण भारत से होना संयोग नहीं हो सकता और इसी वजह से यह चुनाव और भी दिलचस्प हो जाता है। **BJP** के लिए दक्षिण अब भी मुश्किल जगह है, जबकि विपक्ष के लिए ऐसा मैदान, जहां उसने मजबूत चुनौती पेश की है। उपराष्ट्रपति चुनाव उसी सियासी लड़ाई का विस्तारित रूप है। जिस तरह से **TDP** ने राधाकृष्णन के समर्थन का ऐलान किया है, उसका असर दिखने भी लगा है। मौका और चुनौतीः अगर सौ फीसदी वोटिंग होती है, तो दोनों सदनों में मिलाकर चुनाव में जीत के लिए 394 वोट चाहिए होंगे। **NDA** के पास 422 का संख्याबल है। हालांकि उपराष्ट्रपति का चुनाव गुप्त मतदान द्वारा होता है और सदस्य पार्टी विप से नहीं बंधे होते। सरकार और विपक्ष, दोनों के लिए यह मौके के साथ चुनौती भी है। दोनों तरफ से अपने समर्थन का दायरा बढ़ाने की कोशिश होगी। खासतौर पर दक्षिण से आने वाले क्षेत्रीय दलों पर नजरें होंगी। वैचारिक टकरावः उपराष्ट्रपति का पद किसी पार्टी का नहीं होता। इसकी गरिमा को देखते हुए अगर सर्वसम्मति से किसी को चुना जाता, तो ज्यादा अच्छा रहता। हालांकि अभी की राजनीतिक परिस्थितियों में ऐसी संभावना दूर-दूर तक नहीं दिखती। देश में पिछले कुछ बरसों से जिस तरह का माहौल है, उसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष ज्यादातर मौकों पर दो विपरीत ध्रुवों पर नजर आए हैं। जिन मामलों में सदन में सहमति की मांग थी, वहां भी सहमति नहीं दिखी, तो यह चुनाव तय ही था। हालांकि लोकतंत्र में वैचारिक लड़ाई भी महत्वपूर्ण है। अहम जिम्मेदारीः उपराष्ट्रपति पद के इर्द-गिर्द हाल में बहुत हलचल देखने को मिली है। जगदीप धनखड़ जिन परिस्थितियों में और जैसे गए, उसे अच्छा नहीं कहा जा सकता। उम्मीद है कि यह चुनाव बेहतर माहौल में और इस पद के सम्मान को देखते हुए उसके हिसाब से लड़ा जाएगा। जीत जिसकी भी हो, उस पर लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को आगे ले जाने की अहम जिम्मेदारी होगी।

लाल किले से 15 अगस्त पर प्रधानमंत्री जी की अपील 'स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ' बने अभियान : श्रीमती तरनजीत कौर

आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करता है, आरडब्लूएफ की ऐतिहासिक सफर देश ने विगत दिनों अपना 79 वें स्वतंत्रता दिवस मनाया है। इस के पावन पुनीत अवसर पर हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक लालकिले के प्राचीर से देश की जनता को सम्बोधित करते हुए स्वदेशी अपनानें की मार्मिक अपील की है। जो प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। आज हम इससे मिलती जुलती वाक्या से आप सभी को अवगत कराने वाले है। विश्व की सबसे बड़े लोकतंत्र की भारतीय रेल प्रणाली जो सबसे सस्ती व सुरक्षित मानी जाती है। बल्कि भारत के विकाश यात्रा में बहुमूल्य योग्यदान कर रही है। उसी रेलगाड़ी में दशकों से अपनी अहम भुमिका निभाने वाली पहिया (व्हील) व धुरा (एक्सल) की निर्माता कम्पनी है। आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करता है । आर डब्लू एफ की ऐतिहासिक सफर, जिसकी पृष्टभुमि सन 1970 के दशक के आरंभ है। जब रेलवे पहिये के लिए टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी तथा हिन्दुस्तान स्टील, दुर्गापुर पर निर्भर थी। टाटा का संयंत्र से रेलवे की आवश्यक ताओ की पूर्ति ना होने के कारण दुर्गापुर व्हील एंड एक्सल संयंत्र की योजना बनाई गई। हाँलाकि इन दोनों इकाइयों से रेलवे की आवश्यकताओं को पुर्ति नही होने के कारण भारतीय रेलवे को पहियों, धुरों काफी हद तक विदेशों से आयात करना पड़ रहा था, जिसकी लागत अधिक थी। वही वैश्विक बाजारों में आयें दिनों कीमतें लगातार बढ़ने के हमारा विदेशी मुद्रा का भंडार खाली हो रही थीं। पहियों के आयात का वित्त पोषण और विदेशों से आपूर्ति में देरी ने वैगन निर्माण और रोलिंग स्टॉक रखरखाव पर प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए तत्कालीन रेल मंत्री के. हनुमंतैया ने 1972-73 के अपने रेल बजट (सालाना बजट से पूर्व रेल बजट रेल मंत्री द्वारा संसद में पेश किया जाता था) भाषण में घोषणा की कि हमें कुछ शक्तिशाली देश द्वारा विदेशी सहायता बंद होने या बंद होने की धमकी मिल रही है। अतःभारत सरकार ने आत्म निर्भरता की नीति को प्रोत्साहन देगा। इस आत्म निर्भरता की नीति को रेलवे पहियों और धुरी और कर्षण गियर के निर्माण के लिए दो नई परियोजनाओं का प्रस्ताव रहते हुए कहा कि अभी तक हम पहियों और धुरी की हमारी आवश्यकताएं केवल स्वदेशी उत्पादन से आंशिक रूप से पूरी होती है। हम अपने आवश्यकता को विदेशों से 5.8 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की लागत से खरीद रहे हैं। पहियों और धुरी की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। इस नए प्रस्तावित संयंत्र एक और रेलवे उत्पादन इकाई होगी और प्रति वर्ष लगभग 20, 000 पहिए और 25, 000 ढीले पहिये का उत्पादन करेगी, जिससे रेलवे वस्तुतः आत्म निर्भर हो जाएगी। इसके लिए एच. एस. कपूर की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें कास्ट व्हील, फोर्ज्ड एक्सल और असेंबल व्हीलसेट बनाने की क्षमता वाले व्हील और एक्सल प्लांट की आवश्यकता की पुष्टि की गई। इसके अलावा, स्क्रैप और कच्चे माल के परिवहन में आसानी, फोर्जिंग एक्सल के लिए ब्लूम की उपलब्धता, औजारों व उपकरणों की आवश्यक ताओं की आपूर्ति के लिए औद्योगिक क्षेत्रों की निकटता, ऑक्सीजन और एसिटिलीन गैस, इलेक्ट्रोड और ग्रेफाइट मोल्ड, बिजली शुल्क आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर विचार करते हुए एक विस्तृत अध्ययन किया गया। नए प्लांट की स्थापना के लिए पंजाब और मैसूर (अब कर्नाटक) राज्यों में विभिन्न स्थानों का सर्वेक्षण किया गया, जहाँ बिजली शुल्क सबसे कम था। इसके बाद नागपुर, नवलूर, पापिनयाकन हल्ली, येलहंका, रायचूर और मैसूर को सूची में शामिल किया गया। अतंतः यह येलहंका, जो बैंगलोर शहर का एक उपनगर को सबसे अच्छा स्थान माना गया, जो व्हील और एक्सल प्लांट की स्थापना के लिए अधिकांश शर्तों को पूरा करता था। बाद में, इसके लिए बोर्ड कार्यालय में एक मुख्य परियोजना अधिकारी और एक उप परियोजना अधिकारी की सदस्यता वाली एक परियोजना टीम का गठन किया गया, जिसने येलहंका में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विस्तृत अध्ययन करने और कदम उठाने का काम किया। सन 1972 के अंत में, विशेष कार्य अधिकारी (परियोजना औरउत्पादन इकाईयाँ) और मुख्य परियोजना अधिकारी (व्हील और एक्सल प्लांट) की एक उच्च स्तरीय टीम को उपकरणों और प्रक्रियाओं का विशिष्ट अध्ययन और मूल्यांकन करने के लिए यूरोप, अमेरिका और कनाडा में प्रतिनियुक्त किया गया था। इस टीम के दौरों के दौरान ग्रिफिन व्हील कंपनी, अमेरिका से कास्ट व्हील तकनीक और ऑस्ट्रिया से जीएफएम प्रकार की लांग फोजिंग मशीन द्वारा एक्सल की फोजिंग के विचारों को अपनाया गया। इस नई परियोजना हेतु विश्व बैंक से वित्तीय सहायता ली गई। 18 जनवरी 1980को भारत के तत्का लीन राष्ट्रपति श्री नीलम संजीव रेड्डी ने कास्ट व्हील, फोर्ज्ड एक्सल और असेंबल व्हीलसेट के निर्माण के लिए व्हील एंड एक्सल प्लांट (अब रेल व्हील फैक्ट्री, आर डब्लु एफ को राष्ट्र को समर्पित किया। जिसका पहला ट्रायल व्हील 30 दिसंबर 1983 को कास्ट किया गया था और पहला एक्सल मार्च 1984 में फोर्ज किया गया था। इस कारखाना के सफल परीक्षणों के बाद, प्लांट का औपचारिक उद्घाटन 15 सितंबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा किया गया। जिसकी उत्पादन 56, 700 कास्ट व्हील और 23, 000 फोर्ज्ड एक्सल की वार्षिक प्लांट क्षमता से शुरू होकर, आज इस कारखाना की उत्पादन क्षमता से अधिक है। वर्तमान के वित्तीय वर्ष 2024- 2025 2, 01, 150 अच्छे व्हील का निर्माण किया जो रेपका के इतिहास में सर्वाधिक निष्पादन है। वही 2024- 2025 में 93880 धुरों (एक्सल) विनिर्माण किया जो रेपका का दूसरा सर्वाधिक निष्पादन है। 2024-2025 में 98350 व्हीलसेट पेषण किया गया, जो एक रिकार्ड है। यहाँ पर अपवर्ड प्रेशर पोरिंग प्रक् प्रक्रिया द्वारा दो मिनट में एक पहिये डाले (ग्रिफिन प्रौद्योगिकी) जाते है। धुरों (एक्सल) को गढ़ाकर 4-1/2 मिनट में मशीन द्वारा तैयार तथा प्रत्येक 4 मिनट में एक पहिया (व्हील) सेट एसेंबल किया जाता है। आरडब्ल्यूएफ का वार्षिक उत्पादन स्तर स्थापना के बाद से प्रत्येक वर्ष रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से अधिक रही है। आज तक आर डब्ल्यू एफ ने 36 लाख से अधिक व्हील, 17 लाख एक्सल और 12 लाख व्हील सेट का निर्माण किया है। बेंगलूरू के ऐलहंका रेल पहिया कारखाना के परिसर जिसके पूर्व में पहिया व धुरा कारखाना स्थित है। यह एक अत्याधुनिक कारखाना है। जो भारतीय रेल के लिए भारी मात्रा में जरूरी पहियों, धुरों व पहिया सेटों की आपूर्ति करता है। साथ ही उपलब्ध अतिरिक्त क्षमता को गैर- रेलवे ग्राहकों से प्राप्त घरेलू माँगों को पूरा करने व निर्यात के लिए लाभपूर्ण तरीके से उपयोग किया जाता है। रेपका अपने ग्राहकों को लगातार उनके उम्मीदों से बढकर सेवा प्रदान करने के माध्यम से रेपका अपने ग्राहकों के साथ सफल और चिर संबंध स्थापित करने का प्रयास करता रहा है। यहाँ सुर्ख लाल पिघली लोह धातु के रासायनिक संघटन से लेकर अत्याधुनिक अंतिम निरीक्षण तक, सभी उत्पादों का चरणबद्ध व अंतिम रूप से निरीक्षण किया जाता है।

✍श्रीमती तरनजीत कौर
केंद्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन, (मार्गदर्शन सलाहकार समित)

केंद्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के पदाधिकारी और सर्राफा व्यापारी, दीपू नीमा का 'जन्म दिवस' हर्षोल्लास के साथ मनाया

इंदौर। शहर की कई सामाजिक संगठनों से जुड़े हैं और अपनी तन मन धन से सेवाएं देते आ रहे हैं इंदौर के समाजसेवी सराफा व्यापारी (दीपू नीमा। इंदौर भाजपा सांसद प्रतिनिधि भाजपा नेता,डॉ,संतोष वाधवानी जीके नेतृत्व में बड़ी संख्या में संगठन से जुड़े पदाधिकारी और सर्राफा व्यापारियों की मौजूदगी में सर्राफा व्यापारी दीपू नीम का जन्म दिवस हर्षोल्लास के साथ पुष्पमाला पहनाकर मनाया गयात्इस शुभ अवसर पर, गुरविंदर सिंह छाबड़ा (मोनू भैया) देवेश नीमा, हर्ष नीम (लाला भैया), प्रतीक नीमा,(बाबा), केंद्रीय मानव अधिकार इंदौर संभाग अध्यक्ष डॉ संतोष वाधवानी, रूपम सोनी, शिवम परिहार, जगदीश बारोट, अनिकेत बैन, मनोज गिरवाल, एवं बड़ी संख्या में सर्राफा व्यापारी उपस्थित रहे।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948

70 पुलिसकर्मी, 500 CCTV फुटेज और भोपाल से कटनी तक स्टेशनों की खाक छानी; तब खुला अर्चना का सच

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

अर्चना तिवारी के लापता होने की गुत्थी सुलझ गई है। अर्चना तिवारी 7 अगस्त को भोपाल और इटारसी रेलवे स्टेशन के बीच से गायब हुई थी। चुंकि मामला रेलवे का था। इस वजह से रेल पुलिस ने इस पूरे मामले की तफ्तीश की। इसमें पुलिस ने 13 दिन तक लगातार काम किया। 70 पुलिसकर्मियों की मेहनत रंग लाई, तब जाकर अर्चना का सच सामने आ सका।

रेल एसपी राहुल लोढ़ा के अनुसार अर्चना तिवारी केस को हल करने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई थीं। इसमें करीब 70 पुलिस कर्मचारियों को लगाया गया था। सबसे बड़ा टास्क भोपाल रेलवे स्टेशन से लेकर कटनी रेलवे स्टेशन तक के सीसीटीवी फुटेज को चैक करने का था, जिससे ये पता चल सके कि रेलवे के इलाके से लड़की बाहर गई है कि नहीं।

उन्होंने बताया कि एक तरफ सीसीटीवी फुटेज चैक किए जा रहे थे तो दूसरी तरफ रेल पटरियों पर भी अर्चना तिवारी को तलाश किया जा रहा था। इस जांच के बाद ही आगे का रास्त तय हो सकता था। उन्होंने बताया कि पुलिस पहले इसी ग्राउंड पर काम कर रही थी कि लड़की को रेलवे स्टेशनों के आस-पास तलाश किया जाए क्योंकि उसका सामान सीट पर रखा हुआ था। पुलिस मान रही थी कि अगर वो कहीं गई होती तो सामान भी साथ गया होता। पर अर्चना का सामान सीट पर था तो उसके कहीं और जाने का सवाल नहीं था। इस बात की संभावना ज्यादा थी कि वो दुर्घटना का शिकार हुई है।

रेल एसपी राहुल लोढ़ा के अनुसार जब पुलिस को सीसीटीवी और जमीनी तलाशी में कुछ नहीं मिला तो जांच का दायरा बढ़ाया गया। फिर अर्चना तिवारी के कॉल रिकार्ड की जांच की गई तो एक नंबर ऐसा मिला जिस पर तीन बार लंबी बात हुई थी। कटनी साइबर टीम ने भी एक नंबर दिया जो हमारे नंबर से मेल खाया। ये नंबर सारांश का था। फिर ये पुलिस ने आईपी एड्रेस के जरिए वाट्सअप कॉल का रिकार्ड खंगालना शुरू किया।

पुलिस के अनुसार जब तक ये हो रहा था तब तक सारांश अर्चना को नेपास छोड़कर वापस शुजालपुर आ चुका था। साथ ही ग्वालियर में एक आरक्षक को हिरासत में लिया जा चुका था। सारांश तक पहुंचने और उसे हिरासत में लेने पर सारा मामला सामने आ गया। फिर सारांश से पूछताछ हुई। उसने अर्चना तिवारी के नेपाल में होने की बात कही और फिर उससे बात कराई। अर्चना की आईडी पुलिस ने इंदौर होस्टल से रिकवर की और उसे नेपाल भेजा। नेपाल में अर्चना को इंडियन एंबेसी में रखा गया। उसके वोटर आईडी कार्ड को इंदौर के होस्टल से रिकवर किया गया। उसकी पीडीएफ फाइल नेपाल में भारत की एंबेसी को भेजी गई। तब उसे नेपाल से भारत लाना संभव हुआ।

ये था मामला

कटनी निवासी अर्चना तिवारी इंदौर के सत्कार छात्रावास में रहकर सिविल जज की तैयारी कर रही थी। सात अगस्त को वह रक्षाबंधन पर घर जाने के लिए इंदौर से नर्मदा एक्सप्रेस के एसी कोच बी-3 की सीट पर यात्रा कर रही थी। भोपाल के रानीकमलापति रेलवे स्टेशन के पास तक वह अपनी सीट पर देखी गई, लेकिन उसके बाद वह वहां नहीं मिली और उसका फोन भी बंद हो गया। आठ अगस्त की सुबह जब ट्रेन कटनी पहुंची और अर्चना नहीं उतरी, उसके परिजनों ने उमरिया में रहने वाले उसके मामा को सूचना दी। मामा ट्रेन में गए तो उन्हें अर्चना का पर्स मिला, जिसमें बच्चों के लिए खिलौने, कुछ सामान और राखी रखी थी। एक बैग में उसके कपड़े भी सही-सलामत थे, लेकिन अर्चना गायब थी। यात्रियों ने मामा को बताया कि रानीकमलापति रेलवे स्टेशन के बाद से ही वह अपनी सीट पर नहीं दिखी। तब से उसकी तलाश की जा रही थी।

लव जिहाद केस में कांग्रेस पार्षद की बेटी को जमानत, पिता अब भी फरार

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में लव जिहाद और धर्मांतरण की साजिश रचने के मामले में आरोपी बनाई गई फरार कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी की बेटी आयशा को कोर्ट से सशर्त जमानत मिल गई है। स्पेशल कोर्ट में उसकी ओर से पेश जमानत आवेदन पर सुनवाई के बाद यह राहत दी गई।

दिल्ली से हुई थी गिरफ्तारी

बीते दिनों इंदौर पुलिस फरार अनवर की तलाश में दिल्ली पहुंची थी। वहां अनवर तो पुलिस के हाथ नहीं लगा, लेकिन उसकी बेटी आयशा को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के बाद उसे जेल भेजा गया था।

अनवर पर 30 हजार का इनाम

फरार अनवर कादरी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। उस पर लव जिहाद और धर्मांतरण की साजिश रचने के गंभीर आरोप हैं।

18 आपराधिक मामले दर्ज

अनवर कादरी पर अब तक कुल 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके साथ ही नगर निगम पार्षद पद से उसकी अयोग्यता घोषित करने की तैयारी भी प्रशासन द्वारा की जा रही है।

सिंहस्थ तक इंदौर के मुख्य रेलवे स्टेशन का बनना मुश्किल, पुरानी बिल्डिंग तोड़ने में डेढ़ माह लगेंगे

• इंदौर । विशेष प्रतिनिधि

शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण का काम तीन साल में पूरा हो जाएगा, इसे लेकर संशय है, क्योंकि इस दौरान प्लेटफार्म से ट्रेनों का भी संचालन होगा और नए भवन का निर्माण भी अलग-अलग हिस्सों में होगा। तीन साल बाद सिंहस्थ 2028 उज्जैन में लगने वाला है और ज्यादातर यात्री इंदौर से होकर उज्जैन के लिए जाते हैं। तब तक हर हाल में रेलवे स्टेशन बन जाना चाहिए, लेकिन अभी पुरानी इमारत तोड़ने का काम भी पूरा नहीं हो पाया है। उसे तोड़ने में ही डेढ़ माह लगेंगे।

सालभर पहले प्रधानमंत्री ने किया था भूमिपूजन

इस रेलवे स्टेशन का भूमिपूजन सालभर पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली किया था। ठेका अहमदाबाद की कंपनी को दिया गया है, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। पिछले माह जनप्रतिनिधियों के साथ इस प्रोजेक्ट को लेकर सांसद शंकर लालवानी ने बैठक की थी, तब भी नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सिंहस्थ को समीप आता देख काम तीन साल में पूरा करने को लेकर संदेह प्रकट किया था।

सिंहस्थ तक काम पूरा होगा : सांसद

सांसद शंकर लालवानी का कहना है कि बिल्डिंग को अलग-अलग हिस्सों में बनाया जाएगा। सिंहस्थ तक यात्रियों के उपयोग वाले हिस्से का काम पूरा कर लिया जाएगा। उसके निर्माण को ही प्राथमिकता दी जा रही है। निर्माण अवधि में मुख्य रेलवे स्टेशन से चलने वाली कुछ रेल गाड़ियां लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन से संचालित होंगी, जबकि मुख्य रेलवे स्टेशन से भी ट्रेनों का संचालन हो सकेगा। कुछ ट्रेनों के प्लेटफार्म भी बदले गए हैं।

सात मंजिला होगी नई बिल्डिंग

नई बिल्डिंग सात मंजिला होगी। पार्किंग, बेसमेंट में रहेगी जिसमें 500 चार पहिया वाहन पार्क हो सकेंगे। स्टेशन पर 26 लिफ्ट होंगी। अफसरों ने बताया कि मेट्रो स्टेशन से भी नए रेलवे स्टेशन की कनेक्टिविटी होगी। पहले पुरानी बिल्डिंग को तोड़ा जाएगा। पहले 60 मीटर वाले हिस्से में काम होगा, ताकि स्टेशन से ट्रेनों के संचालन की गतिविधियां प्रभावित न हों। इस प्रोजेक्ट पर 450 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

रेल बजट में राशि आवंटित

रेल बजट में भी इसके लिए राशि आवंटित हुई है। यह रेलवे

स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। नए स्टेशन की बिल्डिंग एयरपोर्ट की तर्ज पर बनेगी। भीतर शॉप, फूड जोन रहेंगे। यात्रियों के लिए आरामदायक पैदल पुल, एस्केलेटर, टिकट काउंटर, शेड आदि बनेंगे।

मल्टी लेवल पार्किंग भी रहेगा

इसके अलावा मल्टीलेवल पार्किंग भी रहेगा, ताकि ज्यादा समय तक पार्क रहने वाली गाड़ियां व्यवस्थित रखी जा सकें। पार्क रोड को भी नए स्टेशन से जोड़ा जाएगा। इंदौर रेलवे स्टेशन पर नए प्लेटफॉर्म भी एक सीध में बनेंगे। अभी प्लेटफॉर्म पर पटरियों व कोच के बीच गैप रहने के कारण हादसे होने का अंदेशा बना रहता है। नए रेलवे स्टेशन के लिए पार्किंग व पार्सल विभाग का हिस्सा भी यात्री सुविधा के लिए लिया जा सकता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने मिशन मोड पर करेंगे कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' और 'जीएसटी रिफॉर्म' लाने की घोषणा के लिए जताया आभार

■ भोपाल । संभाग पोस्ट मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से अपने संभाषण में 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' और 'जीएसटी रिफॉर्म' लाने की दो बड़ी घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विरासतों के संरक्षण के साथ देश के विकास का संकल्प लिया है। उन्होंने अपने संभाषण में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को जारी संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के युवाओं को भरपूर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का एक संकल्प प्रकट किया है। इस योजना में 3.50 करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं के कल्याण के साथ ही विकसित भारत का लक्ष्य पाने की संकल्पना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने भाषण में कहा कि हम सभी परिश्रम की पराकाष्ठा करेंगे, न किसी के सामने झुकेंगे और न ही रुकेंगे। सरकार अपने नियम-परंपराओं में गुलामी का कोई अंश नहीं रहने देगी, यह मोदी जी का एक बड़ा संकल्प है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दीपावली तक देश में जीएसटी रिफॉर्म लाने की मंशा प्रकट की है। यह देश के विकास में एक बड़ा कदम है। इससे आमजन के लिए जरूरी सभी प्रकार की रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी बड़ा असर पड़ेगा। बाजार में वस्तुएं सस्ती होंगी और भारत एक सशक्त योजना के साथ आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कई प्रकार से भारत का मान बढ़ाया है। देश को विरासत से विकास का वैल्यूएबल विजन दिया है। हमारी सरकार निश्चित रूप से प्रधानमंत्री के विजन को पूरा करने के लिए मिशन की तरह कार्य करेगी और मध्यप्रदेश को तेज गति से विकास के पथ पर अग्रसर रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की भावनाओं के अनुरूप अपने भाव व्यक्त किए हैं।

सीएम डॉ. यादव ने किया प्रदेश के जाबांजों का सम्मान, वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय पदक प्रदान किए

भोपाल में राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस, जेल और होमगार्ड के उन अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपने कर्तव्यक्षेत्र में असाधारण साहस, वीरता और विशिष्ट सेवा का परिचय दिया। समारोह में राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए गए। 21-22 अप्रैल 2023 की रात बालाघाट जिले के कांदला गांव में पुलिस अधीक्षक बालाघाट समीर सौरभ के नेतृत्व में टीम ने नक्सलियों से मुठभेड़ में दो दुर्दांत माओवादियों को मार गिराया। इन पर 28 लाख रुपये का इनाम था और उनसे दो राइफल बरामद हुईं। इस अभियान में वीरता पदक तत्कालीन एसपी बालाघाट और वर्तमान एसपी मुरैना समीर सौरभ को, पुलिस अधीक्षक अनूनपुर मोतीउर्रहमान, निरीक्षक हॉकफोर्स आशीष शर्मा, निरीक्षक हॉकफोर्स मोहनलाल मरावी, निरीक्षक हॉकफोर्स राजेश धुर्वे को दिए गए।

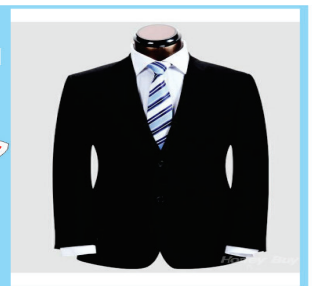

शासकीय सांदीपनि स्कूल भवनों का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण करें - कलेक्टर

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में इंदौर जिले में निर्माणाधीन 11 सांदीपनि (सीएम राइज) स्कूल भवनों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, निर्माण एजेंसी मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन एवं आईडीए के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी भवनों का निर्माण उच्चतम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हो। कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर भवन तैयार कर लिए जाएं। निर्माण स्थल पर नियमित निरीक्षण कर किसी भी प्रकार की तकनीकी या संरचनात्मक त्रुटि को तुरंत सुधारा जाए। बैठक में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि जिले में 11 सांदीपनि स्कूलों में से 10 स्कूल भवनों का निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है, जबकि शेष एक विद्यालय के भवन का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। बताया गया कि जिले में 10 में से 7 विद्यालय भवन फिनिशिंग स्तर पर पहुँच चुके हैं। शेष 3 भवनों का कार्य भी तीव्र गति से जारी है। सभी विद्यालय भवनों को दिसंबर 2025 तक पूर्ण कर लेने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। विद्यालय भवनों में बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, प्रकाश, वेंटिलेशन, पेयजल और स्वच्छता की सभी सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएं। निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे और समय-समय पर कार्यों का भौतिक सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि सांदीपनि (सीएम राइज) स्कूल प्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी शैक्षणिक पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बच्चों को आधुनिक सुविधाओं और उत्कृष्ट अधिगम वातावरण से युक्त विद्यालय उपलब्ध कराना है। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने बैठक के अंत में निर्माण एजेंसियों से कहा कि प्रत्येक विद्यालय भवन जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रगति का प्रतीक बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को दिसंबर माह तक सभी विद्यालय भवन पूर्ण कर समुचित उपयोग के लिए तैयार करने के निर्देश दिए।

श्रमिक परिवारों के बच्चों को छात्रवृत्ति

बैठक में यह भी बताया गया कि बीड़ी श्रमिकों सहित चूना पत्थर, थर, डोला माइड और लौह मैग्जीन क्रोमखदान श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। कक्षा पहली से लेकर उच्च शिक्षा तक विद्यार्थियों को रु. 1,000 से लेकर रु. 25,000 तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। विशेष तौर पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को रु. 25,000 की सहायता मिलेगी।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

■समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,

■ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।

■ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।

■हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं

■हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।

■जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा

■यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है

■अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं

■हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

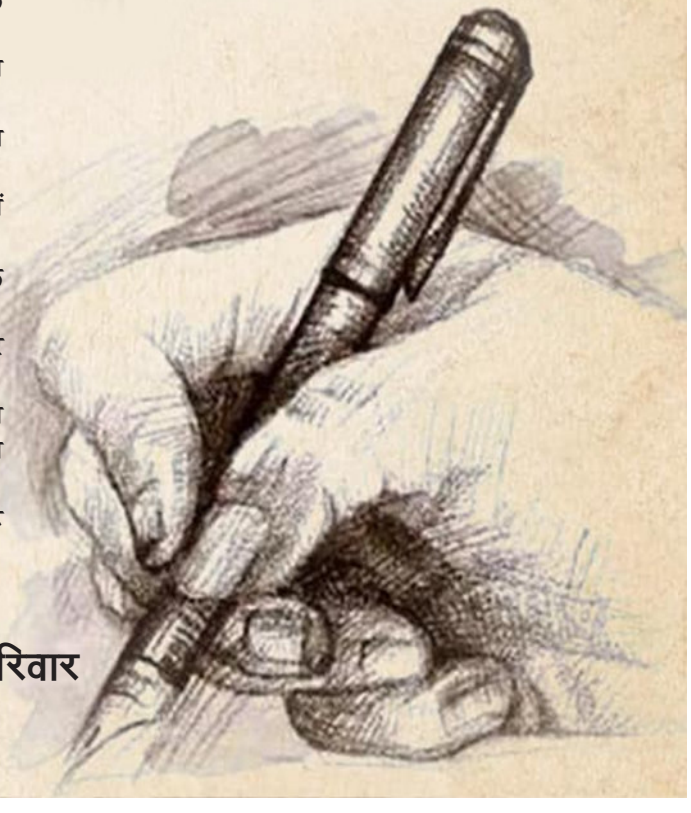

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें
क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार
सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते
भारत माता की जय वंदे मातरम

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का राहुल गांधी पर निशाना

जनता जाग गई है, उनका नेरेटिव नहीं चलेगा

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि देश में दो तरह का विपक्ष होता है. एक जिम्मेदार और दूसरा गैर जिम्मेदार. उन्होंने कहा कि गैर जिम्मेदार विपक्ष केवल आरोप लगाता है और भाग जाता है, जबकि जिम्मेदार विपक्ष जवाबदेही के साथ जनता की आवाज उठाता है. भाजपा भी लंबे समय तक विपक्ष में रही और उस दौरान उसने जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाई, लेकिन आज देश के सामने ऐसा विपक्ष है जो केवल आरोप लगाने और भ्रम फैलाने का काम करता है. राहुल गांधी को घेरते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ नेरेटिव बनाते हैं. लोकसभा में उन्होंने कहा कि संविधान खत्म हो रहा है. यह सिर्फ एक बनाया गया नैरेटिव था, लेकिन अब जनता पूरी तरह जाग चुकी है और उनका नेरेटिव नहीं चलेगा.

अहिल्या उत्सव पर २२ अगस्त को आधे दिन का अवकाश रहेगा.

अहिल्या उत्सव के अवसर पर इंदौर जिले में 22 अगस्त शुक्रवार को आधे दिन का अवकाश रहेगा। यह अवकाश बैंक और कोषालय पर लागू नहीं होगा। यह अवकाश कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा जिले के लिए घोषित स्थानीय अवकाश में शामिल है। इसी तरह जिले के लिए दशहरे के दूसरे दिन तीन अक्टूबर शुक्रवार को भी जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा।

इंदौर में 12 करोड़ में बढ़ेगी बीआरटीएस की चौड़ाई, हटेंगे बस स्टेशन

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

11 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस को हटाने का काम भले ही शुरू नहीं हो पाया है, लेकिन उसे चौड़ा करने के टेंडर भी नगर निगम ने जारी कर दिए है। पहले चरण में राजीव गांधी चौराहा से इंदिरा गांधी चौराह तक बीआरटीएस चौड़ा किया जाएगा। इसके टेंडर भी सोमवार को जारी कर दिए है। पूरा मार्ग तीन हिस्सों में चौड़ा होगा। उसके निर्माण पर 12 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बीआरटीएस लेन की चौड़ाई बढ़ाने के लिए बस रैलिंग हटाई जाएगी और नए सिरे से डिवाडर बनाए जाएंगे। बीआरटीएस तोड़ने का ठेका भी मंजूर हो चुका है। बस रैलिंग हटाने के बाद ही लेन को चौड़ा करने का काम शुरू हो जाएगा। बीआरटीएस बनाते समय बस लेन की सड़क की ऊंचाई दूसरी लेन की तुलना में ज्यादा रखी थी। अब नगर निगम को नए सिरे से उसे भी समतल करना होगा। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि चौड़ीकरण का काम तीन हिस्सों में अलग-अलग ठेकेदारों को दिया जा रहा है, ताकि उसे समय पर किया जा सके। अगले माह से यह काम शुरू हो जाएगा। सालभर में बीआरटीएस सड़क चौड़ी हो पाएगी और यह मिक्स ट्रैफिक के लिए रहेगी। उस लेन से ही बसें भी गुजरेगी।

यह नए काम होंगे बीआरटीएस पर

बीआरटीएस के चौराहे पर सिग्नल की जगह बदली जाएगी। पहले बस लेन के हिसाब से सिग्नल लगाए गए थे। अब उन्हें बीच में लगाया जाएगा। मार्ग की कुल चौड़ाई के हिसाब से सेंट्रल लाइन तय कर वहां डिवाइडर बनाए जाएंगे। इसके अलावा मध्य हिस्से में बने बस स्टॉप भी उखाड़े जाएंगे। उनके स्थान पर नए बस स्टॉप सड़क के किनारों पर बनाए जाएंगे।

मंत्री,मेयर,अफसरों ने झाड़ू लगाकर की सड़कें साफ, स्वच्छताकर्मी रहे अवकाश पर

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में रविवार शाम को गोगादेव नवमी मनाई गई। शहर में रात को अलग-अलग स्थानों से जुलूस निकले। दूसरे दिन सोमवार को नगर निगम ने सफाईकर्मियों के लिए अवकाश घोषित किया था, लेकिन शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए शहर के जनप्रतिनधियों, अफसरों व शहरवासियों ने मोर्चा संभाला। उन्होंने सड़क, उद्यान, मंदिर, सार्वजनिक स्थलों की सफाई की। शासकीय कर्मचारियों ने अपने परिसर को साफ किया।

सुबह मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मेयर पुष्य मित्र भार्गव राजवाड़ा पहुंचे। उन्होंने सड़क पर झाड़ू लगाई। मार्ग पर काफी कचरा पड़ा था। उसे उठाया व डस्टबीन में डाला। शहरवासी व स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि भी सड़कें साफ करने लगे।

पार्षद व महापौर परिषद सदस्यों ने अपने-अपने वार्डों में सफाई अभियान चलाया। मेयर भार्गव ने कहा कि इंदौर जनभागीदारी का मॉडल है।साल भर अलग-अलग जुलूस निकलते है। चाहे राजनीतिक हो सांस्कृतिक आयोजन। जुलूस के पीछे सफाई मित्र शहर को साफ करते है। हर वर्ष वाल्मीकि समाज के वीर गोगा देव जुलूस निकलता है। दूसरे दिन सफाई मित्र एक दिन के अवकाश पर होते है। तब शहरवासी सफाई की जिम्मेदारी निभाते है।

देर रात तक निकले छड़ी निशान

रविवार रात को अलग-अलग स्थानों से छड़ी निशान निकालकर वीर गोगादेव महाराज का पूजन किया। वाल्मीकि बस्तियों से निशान निकलने का सिलसिला रात शुरू हुआ। इसमें शहर की ख्यात इमारत की प्रतिकृतियां भी नजर आईं। शहर के हृदय स्थल राजवाड़ा पर विभिन्न क्षेत्रों से छड़ी निशान पहुंचे। जगह-जगह मंचों से उनका स्वागत भी किया गया।

APPLIED FORENSIC SCIENCE LABORATORY
Email: afslindore23@gmail.com Mobile No: +91 9366381689 +91 9977649317
SERVICES
• Handwriting Examination.
• Signature Examination.
• Fingerprint Examination.
• Deleted Data Recovery from Mobile Phones, Hard Drive.
• Laptop, Desktop Computer, Pen drive.
• Complete Examination of Digital Instrument i.e. Mobile.
• phones, Laptop, Desktop Computers, in case of Hacking.
• Voice Analysis and Voice Comparison.
• Examination of Alteration in any Documents.
• Examination of Erased Writing.
• Examination of Audio Clips and Video Clips.
• Preparation of Fingerprint Records for Corporate Offices.
• Examination of Arson Cases.
• DNA Examination for Paternity and Maternity.
• Forensic Consultancy.
• Forensic Investigation of Insurance Claims.
• Property Investigation.
• Crime Scene Investigation.
• Audio Transcription.
FORENSIC EXPERT
Rakesh Mia +91 93663 81689
Vijay Panchal +91 9977649317
Head Office: Applied Forensic Science Laboratory 8/1, 2nd foor, Moti Tabela, Near Collectorate Office, Indore, MP, 452007
Branch Office: Chandra Forensic Science lab Chandigarh/New Delhi

संदीप पवार KP ॥ श्री गणेशाय नमः॥ Mob :-98260-68380
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे 9406621084
पूजा बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

एमपी कैबिनेट के अहम फैसले जानें

आदिवासी छात्रों को अब १२ महीने की छात्रवृत्ति, जिलों में बनेंगे गीता भवन

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

एमपी कैबिनेट की मीटिंग में कई अहम फैसले हुए हैं। भोपाल में किसान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। वहीं, कटनी में 23 अगस्त को माइनिंग कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। इसमें देश भर के खनन क्षेत्र के लोग भाग लेंगे। भोपाल के पास बैरसिया में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर भारत सरकार के सहयोग से स्थापित हो रहा है। इसका नोडल विभाग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी है। इसमें 371 करोड़ का निवेश होगा, जिसमें 225 करोड़ राज्यांश और 146 करोड़ केंद्र सरकार का अंश होगा।

एंडोक्राइनोलॉजी विभाग की होगी स्थापना

भोपाल के गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में एंडोक्राइनोलॉजी विभाग की स्थापना की स्वीकृति आज कैबिनेट ने प्रदान की है। आप सभी जानते हैं कि एंडोक्राइनोलॉजी के माध्यम से साधारणतः जो बीमारियां होती हैं, उनके लिए हमारे यहां अभी तक कोई विशेष केंद्र नहीं था। इस संबंध में रिसर्च सेंटर और विशेषज्ञों की बहुत आवश्यकता थी।

वर्तमान में यहां एमबीबीएस पाठ्यक्रम की 250 सीटें उपलब्ध हैं। भारत सरकार की केंद्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत इसमें 134 सीटों की स्वीकृति दी गई है। इसमें कुल 20 पदों की आवश्यकता को स्वीकृत किया गया है, जिनमें सहायक प्राध्यापक, सीनियर रेज़िडेंट, जूनियर रेज़िडेंट, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, जूनियर नर्सिंग ऑफिसर और प्राध्यापक शामिल हैं। इन पदों के सृजन में वार्षिक एक करोड़ रुपए की लागत आएगी।

इस विभाग से थायरॉइड, शुगर आदि पर रिसर्च और सही इलाज संभव होगा। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में आया है कि एशिया में हर छठा व्यक्ति शुगर का मरीज होगा। यह सब हमारी लाइफ स्टाइल का परिणाम है, इसलिए इस पर अनुसंधान और उपचार अत्यंत आवश्यक है।

आदिवासी छात्रों का अब १२ महीने की मिलेगी छात्रवृत्ति

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को प्रदेश सरकार शिक्षावृत्ति देती है। विद्यार्थी जीवन में सामान्यतः 10 महीने की ही छात्रवृत्ति दी जाती थी और 2 महीने की छुट्टी के कारण कटौती हो जाती थी। परंतु आदिवासी भाइयों ने निवेदन किया कि जब वे हॉस्टल में रहते हैं तो उन्हें 12 महीने की छात्रवृत्ति मिलनी चाहिए, क्योंकि बीच-बीच में प्रतियोगी परीक्षाएं होती हैं, गरीब विद्यार्थी घर में पढ़ाई नहीं कर पाते और हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करना चाहते हैं। आज कैबिनेट ने यह स्वीकृति प्रदान की है कि आदिवासी विद्यार्थियों को अब 12 महीने छात्रवृत्ति मिलेगी। इसमें विद्यार्थियों को रु.1650 और बालिकाओं को रु.1700 की स्कॉलरशिप दी जाती है।

भारत सरकार के अनुसार कर्मियों को मिलेगी छुट्टी

सिविल सेवा के हमारे कर्मचारी-अधिकारी वर्ग के अवकाश संबंधी नियम अब भारत सरकार के अनुरूप कर दिए गए हैं। इसमें विशेषकर महिला शासकीय सेवकों के लिए 'कमिशनिंग मदर' की प्रस्तुति का अवकाश भी स्वीकृत किया गया है। कमिशनिंग का आशय है कि यदि स्वयं मातृत्व न अपनाकर किसी और की गोद से बच्चा लिया गया है तो उस बच्चे के पालन-पोषण के लिए अवकाश दिया जाएगा। यह एक नवीन प्रावधान है।

पितृत्व अवकाश भी मिलेगा

इसके अतिरिक्त शैक्षणिक स्टाफ को एक वर्ष में 10 दिन अर्जित अवकाश की पात्रता दी गई है। संतान ग्रहण के लिए पितृत्व अवकाश 15 दिन स्वीकृत किया गया है। एकल पुरुष शासकीय सेवक को भी संतान पालन अवकाश की पात्रता दी जाएगी। यह भी नया प्रावधान है। यदि कोई सिंगल पेरेंट्स हो, उसे भी अवकाश मिलेगा। दिव्यांग अथवा गंभीर रूप से अस्वस्थ शासकीय सेवक को अवकाश के लिए आवेदन यदि तत्काल न दे पाए और बाद में दे तो भी उसका आवेदन मान्य किया जाएगा। यह सुधार भारत सरकार की तर्ज पर हमारे प्रदेश में लागू किया गया है।

गीता भवन बनाने को मिली मंजूरी

सभी जिलों में गीता भवन बनाने की आज कैबिनेट ने स्वीकृति प्रदान की। गीता भवन केवल प्रवचन का ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति का केंद्र बनेगा। यहां अच्छी लाइब्रेरी, कैफेटेरिया और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए स्थान होगा। पांच वर्षों में सभी जगहों पर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुरैना जिले के कैलारस में बहुत पुरानी शुगर फैक्ट्री है जो वर्षों से बंद है। इसे फिर से चलाई जाएगी। साथ ही आधुनिक शुगर मिल स्थापित किए जाएंगे।

निर्यात में मध्यप्रदेश का बजा डंका

निर्यात में मप्र का डंका बजा है। मप्र की निर्यात में 6 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। पिछले साल की तुलना में छह प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई है। साल 2024-25 में 66.218 करोड़ का निर्यात किया है। सोयाबीन, फार्मेसी, इंजीनियरिंग गुडस में प्रगति हुई है।सूचना प्रौद्योगिकी में 4 हजार 38 करोड़ का योगदान रहा। मप्र राष्ट्रीय स्तर पर 15वें से 11वें नंबर पर आया है।

पूंजीगत व्यय बजट में पूरे देश में तीसरे नंबर पर

चालू तीमाही पूंजीगत व्यय बजट में मध्यप्रदेश पूरे देश में तीसरे नंबर पर है। गुजराज 65 प्रतिशत पूंजिगत व्यय हुआ। उत्तर प्रदेश में 42 प्रतिशत पूंजिगत व्यय हुआ। मप्र में 41 प्रतिशत पूंजिगत व्यय हुआ है। कैबिनेट ने मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

२३ अगस्त को कटनी में माइनिंग कॉन्क्लेव

सिंचाई रकबा 60 से 70 प्रतिशत कवर करने की तैयारी है। धार में पीएम मित्रा पार्क तैयार है और उदघाटन के लिए पीएम मोदी आएंगे। कटनी में 23 अगस्त को माइनिंग कॉन्क्लेव होगी जिसमें देशभर के उद्योगपति शामिल होंगे। इसी तरह साइंस एवं टैक्नोलॉजी के लिए बड़ी सौगात मिली है। इलेक्ट्रॉनिक्स पर रिसर्च के लिए भोपाल में 371 करोड़ का प्रोजेक्ट बना है इसमें 225 करोड़ मप्र का अंश मिलाने की सहमति दी गई।

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिक: 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पता: हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

RAVI S. SAHU
Managing Director
+91-98260-77714
स्वाद का जादू-जागे घर घर...
रवि®
मसाले बस चुटकी भर...
मसाले एवं पापड़
RAVI HOME INDUSTRIES
12, Nirmal Nagar, Piplyahana, Indore - 452 001, Ph. : 0731-2490449
Web : www.ravihomeind.com | E-mail : ravisahurhi@gmail.com

॥ श्री गणेश ॥ ॥ जय माँ भगवती ॥
सेवक राम केवट (छोटू उस्ताद)
मो. 9826012658, 9131711406
माँ नर्मदा केटरर्स
107, नार्थ मुसाखेड़ी, अजयबाग कॉलोनी, इन्दौर
शादी, पार्टी, पिकनिक, जन्मदिन पर कच्ची एवं पक्की रसोई की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सम्पर्क करें।

अनुप यादव
9617246247
अमन यादव
7773007307
8770131488
आविन्त्री हार्डवेयर
सेनेटरी एण्ड पेन्ट्स
SKIPPER ASTRAL PIPES KISAN asianpaints
92 हीरा नगर MR-10 मेन रोड़, इन्दौर (म.प्र.)

त्रिगुण दास बौरासी
कुलदीप बौरासी
मो. 9405852932
लक्ष्मी आप्टीशियन
सभी प्रकार के नजर व धूप के चश्मे बनाए जाते हैं
फोन : 0731-2545493
352/2, पाटनीपुरा (भैरु मंदिर के पीछे) प्रिंस टेलर के बीच वाली गली में, इंदौर

स्वाधीनता के अमर बलिदानियों को कोटि-कोटि नमन

स्वदेशी की शक्ति से आत्मनिर्भरता को गति देता मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

79 वें

स्वतंत्रता दिवस

की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

स्वदेशी अभियान के साथ औद्योगिक विकास

उद्योगों को बढ़ावा देने के प्रयासों से ₹32 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 23 लाख से अधिक रोज़गार होंगे सृजित

कमज़ोर वर्ग का उत्थान

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों को मिल रही सहायता

युवाओं का सर्वांगीण विकास

शिक्षा, कौशल निर्माण के साथ युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन प्रारंभ, कौशल विकास और रोज़गार के अवसरों से जोड़ने के लिए मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान और आगामी 5 वर्षों में 2.5 लाख नौकरियां देने जैसे प्रयासों से युवा हो रहे सशक्त

आत्मनिर्भर होती महिलाएं

महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में प्रतिमाह ₹1250, एमएसएमई में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन, लखपति दीदी योजना और शासकीय सेवाओं में 35% तक महिला आरक्षण

खुशहाल और समृद्ध अन्नदाता

किसानों की आय में वृद्धि, जलवायु-अनुकूल खेती तथा फसल का उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन, कृषि संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कृषि उद्योग समागम का आयोजन, पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना से आ रही है खुशहाली

प्रातः 9:00 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लाइव जुड़ें

“ स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। यह अवसर हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और योगदान को स्मरण करने तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents

@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025